22 AUG 2019

दृष्टि The Vision

drishti

ESSAY

निर्धारित समय: तीन घंटे Time allowed: Three Hours	DTVF/19(JS)–ESY-**E4**	अधिकतम अंक: 250 Maximum Marks: 250

Name: Bhoor Singh Meena **Mobile Number:**

Medium (English/Hindi): Hindi **Reg. Number:** Awake-19 | F24

Center & Date: M.N. Delhi 22-08/19 **UPSC Roll No.** ***(If allotted)*:** 3811578

प्रश्नपत्र संबंधी विशेष अनुदेश

(प्रश्नों के उत्तर देने से पहले निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को कृपया ध्यानपूर्वक पढ़ें)

प्रवेश-पत्र में प्राधिकृत माध्यम में निबंध लिखना आवश्यक है तथा इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू. सी. ए.) पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर करना आवश्यक है। प्राधिकृत माध्यम के अलावा अन्य माध्यम में लिखे गए उत्तरों को अंक नहीं दिये जाएंगे।

प्रश्नों के उत्तर निर्दिष्ट शब्द-संख्या के अनुसार होने चाहिये।

प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए किसी पृष्ठ अथवा पृष्ठ के भाग को पूर्णतः काट दीजिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

(Please read each of the following instructions carefully before attempting questions)

The ESSAY must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other than the authorized one.

Word limit, as specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

	निबंध विषय संख्या (Essay Topic No.)	अंक (Marks)
खंड-A Section-A		
खंड-B Section-B		
सकल योग (Grand Total)		

मूल्यांकनकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Evaluator (Signature)

पुनरीक्षणकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Reviewer (Signature)

drishti | दृष्टि The Vision

खंड A और B में प्रत्येक से एक विषय चुनकर दो निबंध लिखिये, जो प्रत्येक लगभग 1000–1200 शब्दों का हो: 125 × 2 = 250

Write TWO Essays, choosing ONE from each of the Section A and B, in about 1000–1200 words each: 125 × 2 = 250

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

खंड–A / SECTION –A

1. सोशल मीडिया : सामाजिक कम व्यक्तिगत ज़्यादा।
   Social media : More personal than social.
2. भारत में सामाजिक सशक्तीकरण की प्रक्रिया में आरक्षण का योगदान तथा इसके विरोधाभास।
   The role of reservation in social empowerment in India: Contribution and Contradiction.
3. भूमंडलीकरण के दौर में संरक्षणवादी नीतियाँ अल्पकालिक हितों की पूर्ति से ज़्यादा कुछ नहीं है।
   Protectionist measures in the era of globalization are nothing more than the fulfilment of short-term interests.
4. जलवायु परिवर्तन : करे कोई भरे कोई।
   Climate Change : Done by someone and paid by someone else.

खंड–B / SECTION –B

1. एक सुखी जीवन प्रकृति से प्रेरित एवं सहजता से संचालित होता है।
   A good life is the one inspired by nature and conducted with ease.
2. व्यावहारिकता आदर्श की पुष्टि करती है।
   Pragmatism affirms the ideal.
3. मूल्यविहीन शिक्षा व्यक्ति को चतुर शैतान बनाती है।
   Education without values makes man a cleverer devil.
4. विकसित होते भारतीय समाज का द्वंद्व।
   Conflicts in developing Indian society.

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

खंड–A / SECTION –A

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

1. सोशल मीडिया : सामाजिक कम व्यक्तिगत ज़्यादा।

   Social media : More personal than social.

2. भारत में सामाजिक सशक्तीकरण की प्रक्रिया में आरक्षण का योगदान तथा इसके विरोधाभास।

   The role of reservation in social empowerment in India: Contribution and Contradiction.

3. भूमंडलीकरण के दौर में संरक्षणवादी नीतियाँ अल्पकालिक हितों की पूर्ति से ज़्यादा कुछ नहीं है।

   Protectionist measures in the era of globalization are nothing more than the fulfilment of short-term interests.

4. जलवायु परिवर्तन : करे कोई भरे कोई।

   Climate Change : Done by someone and paid by someone else.

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

(4.) 'जलवायु परिवर्तन : करे कोई भरे कोई'

जलवायु परिवर्तन पर अन्तर्राज्यीय पैनल की हाल मे आई एक रिपोर्ट ~~[illegible]~~ के अनुसार- "यदि हम पेरिस सम्मेलन की प्रतिबद्धताओं को भी पूरा करने मे सफल हुए तो भी हम जलवायु परिवर्तन के लक्ष्य को प्राप्त नही कर सकतें हैं इसके लिए हमें और ज्यादा सहयोगात्मक प्रयास करने की जरूरत हैं।"

जलवायु परिवर्तन आज सम्पूर्ण विश्व की चुनौती बना हुआ हैं। यह एक ऐसी घटना हैं जिसमें पृथ्वी के औसतन तापमान मे वृद्धि के साथ-साथ अन्य प्राकृतिक आपदाएें जैसे सूखा - बाढ की पुनर्रावृति, सीमित समय मे तीव्र गति से बर्षा का होंना, तथा प्राकृतिक घटनाओ मे अनियमितता देखने को मिलती हैं।

यह जलवायु परिवर्तन की घटना एक प्राकृतिक घटना हैं, जो इस पृथ्वी के चक्र में घटित होती हैं। जिसके

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

पृथ्वी पर कभी शीत युग आता है तो कभी उष्ण युग। ~~[illegible]~~। वैज्ञानिकों का मानना है, कि वर्तमान समय मे पृथ्वी उष्ण युग की ओर अग्रसर हो रही है, इसलिए इसकी जलवायु परिवर्तित हो रही हैं। इन वैज्ञानिकों ने जलवायु परिवर्तन को प्राकृतिक घटना माना है क्योंकि इनका मानना हैं कि विभिन्न प्राकृतिक कारणों जैसे- सौर कलंकों की पुनरावृत्ति, महाद्वीपीय विस्थापन, ज्वालामुखी जैसी घटनाओं के कारण जलवायु परिवर्तन की घटना घटित हो रही हैं।

हालांकि, इन समर्थकों की बात काफी हद तक उचित है परन्तु इस प्राकृतिक परिवर्तन की घटना को मानवीय हस्तक्षेपों ने तीव्र कर दिया है। अधिकतर वैज्ञानिकों का मानना है, कि औद्योगीकरण के बाद औसतन तापमान में पुरस्तर पर वृद्धि देखी गई। जिसका प्रमुख कारण मानव का

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

प्रकृति के साथ की जा रही छेड़छाड़। औद्योगीकरण के कारण औद्योगिक इकाईयों मे तीव्र वृद्धि हुई, शहरीकरण का विस्तार हुआ, जनसंख्या वृद्धि हुई, वनों का तेजी से हनन हुआ, समुद्री एवं अन्य जीव-जन्तुओं का मानव द्वारा उपभोग किया गया परिणामस्वरूप ग्रीन हाउस गैस वातावरण मे बढ़ी जो 'सूर्य से आने वाली लघु तरंगों को धरती पर आने तो देती है परन्तु पृथ्वी से उत्सर्जित दीर्घ तरंगो को इसी वायुमंडल मे रोक लेती है जिससे पृथ्वी का तापमान बढ़ने लगता है। इससे सम्पूर्ण जलवायु मे परिवर्तन होने लगता है।

विकसित राष्ट्रो ने अपने विकास का आधार औद्योगिक इकाईयों को बनाया। इस दौरान उन्होंने अपने विकास को इस तरीके से बढ़ाया की प्रकृति पर उन्होंने कोई ध्यान ही नही दिया। औद्योगीकरण के कारण

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उन्होंने बड़ी मात्रा में प्राकृतिक संसाधनों का उपभोग किया। अपने आर्थिक विकास को बढ़ावा दिया। उनकी अर्थव्यवस्था को गति मिली तथा वे समृद्ध हुए। उनके इसी विकास का परिणाम आज जलवायु परिवर्तन के रूप मे नजर आ रहा है. जिसका परिणाम आज विश्व के अल्पविकसित और विकासशील राष्ट्रो को झेलना पड़ रहा है. इसी संदर्भ मे कहा गया है

"करे कोई - भरे कोई"

अर्थात विकसित राष्ट्रो ने अपने विकास की दौड़ मे जो प्रकृति के साथ छेड़छाड़ की गई थी। उसी छेड़छाड़ के कारण आज विकासशील एवं अल्पविकसित राष्ट्रो को गरीबी, भुखमरी, महामारियो, जलसंकट, सूखा एवं बाढ़ की पुनरावृत्ति, समुद्री जलस्तर से उनके डूबते द्वीप

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

इत्यादि समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

इस विकास क्रम मे विकसित राष्ट्रो ने अपनी तकनीकी और प्रौद्योगिकी को इस हद तक विकसित कर लिया है कि बदलती जलवायु उनको ज्यादा नुकसान नही पहुँचा सकती। उन्होंने कृषि मे सूखा रोधी, तापरोधी, कीटनाशक रोधी फसलों का विकास कर लिया है। उन्होंने ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोतो जैसे सौर ऊर्जा, जलीय ऊर्जा, ज्वारीय ऊर्जा एवं पवन ऊर्जा की सस्ती एवं वहनीय तकनीक विकसित कर ली है। इन तकनीको से उन्होने जलवायु परिवर्तन के प्रति अनुकूलन एवं मिटिगेशन को सरल बनाया। जिसके कारण उनके द्वारा प्रकृति के साथ की गई छेड़खानी का प्रभाव उन पर तुलनात्मक रूप से कम नजर आ रहा है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

वही दूसरी ओर अल्पविकसित और विकासशील राष्ट्र जिन्होंने इस प्रकृति के साथ अभी ज्यादा हस्तक्षेप नही किया उनको प्रकृति की वर्तमान स्थिति के परिणाम भुगतने पड रहे हैं। इन देशो मे जलवायु परिवर्तन के कारण कृषि उत्पादन मे कमी आ रही है जिसके कारण गरीबी एवं भुखमरी बढ़ रही हैं। समुद्रीतल का स्तर बढ़ने से इनके कई द्वीपीय क्षेत्र समुद्र मे डुबते हुऐ नजर आ रहे जैसे बांग्लादेश और मालदीव के कई द्वीप समुद्र मे जलमग्न हो गये हैं। इनकी निर्भरता समुद्री उत्पादों पर अधिक हैं परन्तु जलवायु परिवर्तन के कारण समुद्री जैवविविधता नष्ट हो रही हैं जिसके काका इन राष्ट्रों की अर्थव्यवस्था की विकास दर कम हो रही।

जलवायु परिवर्तन के प्रति इनकी संवेदनशीलता बढ़ने का ⊕ प्रमुख

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कारण इनके पास तकनीकी क्षमता का अभाव होना है और दूसरी ओर अभी ये राष्ट्र विकास की दौड़ में भी शामिल हुए हैं इसलिए इनमें औद्योगीकरण भी बढ़ रहा है।

इस समस्या से बाहर निकलने हेतु इनके द्वारा विकसित राष्ट्रों से तकनीकी और आर्थिक सहायता ली जाती है तो विकसित राष्ट्र इनकी मजबूरी का पूरा फायदा उठाकर इन पर इस प्रकार की शर्तें लादते हैं कि जो नुकसान इन्होंने किया ही नहीं उस नुकसान की भरपाई इनको करनी पड़ती है। इसी के संदर्भ में कहा जा सकता है –

"अपराध करे कोई और तथा उसका दण्ड भुगते कोई और।"

यह स्थिति भारतीय धर्मशास्त्रों के विपरीत है क्योंकि

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

भारतीय धर्मशास्त्रों में कहा गया —

"जो मनुष्य अपने जीवन में जैसा कार्य करेगा या कर्म करेगा उसको उसके कर्मों के अनुसार ही फल मिलेगा।"

अर्थात जिन्होंने जलवायु परिवर्तन को बढ़ावा दिया है, उनको ही इसके परिणामों का भुगतान करना पड़ेगा परन्तु वर्तमान समय में तो इसका नुकसान कमजोर राष्ट्रों को भुगतना पड़ रहा है।

इसी संदर्भ में बढ़ते जलवायु परिवर्तन को रोकने हेतु ब्राजील में हुए 'पृथ्वी सम्मेलन' में जलवायु परिवर्तन पर कन्वेंशन का गठन किया गया जिसे 'संयुक्त राष्ट्र की जलवायु परिवर्तन पर कन्वेंशन कहा गया तथा इसमें शामिल देशों को पार्टिज ऑफ कन्वेंशन 'कोप' कहा गया। इसके अंतर्गत

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

प्रमुख ग्रीन हाउस गैस के उत्सर्जन हेतु उसको कम करने के प्रयास के साथ-साथ न्यूनीकरण एवं अनुकूलन तकनीक को भी अपनाया जाएगा। इसके अंतर्गत अभी तक लगभग २५ सम्मेलन हो चुके हैं, जिनमें प्रारंभ में विकसित राष्ट्रों की जिम्मेदारी दी गई कि वे अपने स्तर पर ग्रीन हाउस गैसों को कम करेंगे और इसी ओर विकासशील राष्ट्रों को पूंजी एवं तकनीकी सुविधा उपलब्ध करायेंगे ताकि वे इसकी संवेदनशीलता को कम कर सकें।

परन्तु इसके लिए स्थापित किये गये 'अनुकूलन कोष', 'हरित कोष' में विकसित राष्ट्रों ने वित्तीय सुविधा और तकनीकी ~~सहयोग~~ सुविधा उपलब्ध नहीं कराई साथ ही अपने स्तर पर इसके संदर्भ में किये जा रहे प्रयासों के प्रति प्रतिबद्धता भी नहीं

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दिखाई। जैसे पेरिस सम्मेलन से संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा स्वयं को अलग कर लिया। जबकि इस जलवायु परिवर्तन के प्रति सबसे ज्यादा जिम्मेदार अमेरिका ही था।

इसी स्थिति को देखते हुए भारत सहित कई राष्ट्रों ने इस जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने का प्रयास कर रहे हैं। भारत ने फ्रांस के साथ मिलकर पेरिस सम्मेलन में "अन्तर्राष्ट्रीय सौलर संगठन' का गठन किया गया जिसमें कर्क एवं मकर रेखा के देश सूर्य ~~की~~ उष्मा का उपयोग कर सौर ऊर्जा को बढावा देंगे। इसके साथ ही भारत ने पेरिस सम्मेलन के प्रति प्रतिबद्धता बनाये रखते हुए 2030 तक कार्बन उत्सर्जन में 30-35% तक कमी, गैर-जीवाश्म ऊर्जा की लगभग 40% उत्पादन को बढाना और कार्बन सिंक को

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

बढ़ाने हेतु तीव्र वनीकरण को बढ़ावा दिया जा रहा है।

अतः जलवायु परिवर्तन के जिम्मेदार विकसित राष्ट्रों को इसकी जिम्मेदारी लेते हुए अपनी प्रतिबद्धता को पूरा करें नहीं तो भविष्य में इसके परिणाम उनको भी भुगतने पड़ेंगे। उनका यह दायित्व बनता है कि वे कि अल्पविकसित राष्ट्रों और विकासशील राष्ट्रों को तकनीकी मुहैया कराये ताकि विकासशील राष्ट्र भी अपने स्तर पर इसके लिए प्रयास कर सकें। अन्यथा यदि विकासशील राष्ट्रों ने भी विकसित राष्ट्रो की भाँति औद्योगीकरण किया तो यह सृष्टि के विनाश को ज्यादा समय तक रोका जाना संभव नहीं है। इस प्रकार जलवायु परिवर्तन को वैश्विक सहयोग, सभी सिविल सोसायटी, उद्योग क्षेत्र की कम्पनी, गैर-सरकारी संगठन सभी को साथ मिलकर अपने प्रयास करने होंगे तब जाकर इसको सीमित किया जा सकता है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

खंड–B / SECTION –B

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

1. एक सुखी जीवन प्रकृति से प्रेरित एवं सहजता से संचालित होता है।

   A good life is the one inspired by nature and conducted with ease.

2. व्यावहारिकता आदर्श की पुष्टि करती है।

   Pragmatism affirms the ideal.

3. मूल्यविहीन शिक्षा व्यक्ति को चतुर शैतान बनाती है।

   Education without values makes man a cleverer devil.

4. विकसित होते भारतीय समाज का द्वंद्व।

   Conflicts in developing Indian society.

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

(3.) "मूल्यविहीन शिक्षा व्यक्ति को चतुर शैतान बनाती है।"

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

द० अफ्रीका के महान गांधीवादी विचारक और पूर्व राष्ट्रपति नेल्सन मंडेला के अनुसार,

"शिक्षा एक ऐसा हथियार होती है, जो मानव के मार्ग में आने वाली समस्त बाधाओं का नाश कर सकती है।"

मानव इस सृष्टि का एकमात्र विवेकशील प्राणी है। जिसमें चिंतनशीलता की क्षमता पाई जाती है। इसी विवेकशीलता के कारण मनुष्य विभिन्न ज्ञान संबंधी सूचनाओं को प्राप्त करना चाहता है। शिक्षा ही एक ऐसा माध्यम है जो मनुष्य की इस विवेकशीलता को उपयोगी बना सकती है। शिक्षा के माध्यम से मनुष्य अपनी इसी बुद्धि का प्रयोग सही कर पाता है। स्वामी विवेकानंद ने कहा "शिक्षा

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

के माध्यम से मनुष्य के अचेतन इन्द्रियों को चेतन अवस्था में लाकर उसे एक वास्तविक मानव बनाया जाता है।"

शिक्षा मनुष्य को सहज, अनुशासित, सद्भावी, गुणवान बनाती है। परन्तु इस हेतु शिक्षा में उचित मूल्यों का समावेश होना चाहिए। मूल्यों के अभाव में शिक्षा का मानव जीवन में कोई महत्व नही है। शिक्षा के माध्यम से मानव को सहानुभूति, ~~समानुभूति~~ सत्यनिष्ठा, ईमानदारी, व्यक्तिनिष्ठा, सहिष्णुता, उसका सकारात्मक नजरिया विकसित होता है। परन्तु इसके लिए शिक्षा मे नैतिकता, एवं मूल्यों का समावेश होना चाहिए।

जिस शिक्षा के माध्यम से मनुष्य अपने मानवीय मूल्यों

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

को बढ़ावा देता है यदि उस शिक्षा में मूल्य नहीं होंगे तो मनुष्य में विभिन्न प्रकार की नकारात्मक प्रवृतियाँ बढ़ने लगेंगी जो मनुष्य को मनुष्य ना बनाकर पशुतुल्य बना देंगी।

प्राचीन कालीन गुरुकुल शिक्षा-पद्धति में शिक्षा के दौरान गुरुओं द्वारा सूचनाओं एवं ज्ञान को तो दिया जाता था परन्तु साथ-साथ मानव के प्रकृति और शेष जीव जन्तु प्रजाति के प्रति जो कर्त्तव्य और मूल्य होते थे उनको ही प्राथमिकता दी जाती थी। जिसके कारण मानव का पर्यावरण, प्रकृति, जीव जन्तुओं के प्रति नजरिया सकारात्मक रहता था। सामाजिक संबंधों को महत्व दिया जाता था। स्त्रियों को सम्मान एवं समान अधिकार दिये जाते थे। समाज में सद्भावना, सहिष्णुता, सह-अस्तित्व जैसी भावनायें पाई जाती थी। जिससे मानवता को बढ़ावा मिलता। इस प्रकार

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

यद्यपि प्राचीन गुरुकुल शिक्षा मे आज की तकनीकी एवं व्यवसायिक शिक्षा तुलनात्मक रुप से कम थी परन्तु शिक्षा मे नैतिकता था जिसके कारण शिक्षा मानव को मानव बनाने मे सफल रही। यही कारण था कि भारत विश्वगुरु कहलाता था।

वर्तमान समय मे शिक्षा मे तकनीकी, कौशलता, व्यवसायिकता आदि को बढ़ावा दिया जा रहा है। इससे तकनीकी और व्यवसाय को बढ़ावा मिल रहा और मानव दिन-प्रतिदिन अपने विकास की दौड़ मे आगे बढ़ता जा रहा है। आज मानव मंगल और चन्द्रमा पर भी पहुँचने मे सफल रहा।

परन्तु वर्तमान शिक्षा मे हमने नैतिकता एवं मूल्यों पर

Copyright – Drishti The Vision Foundation

ज्यादा ध्यान नही दिया। यही कारण है कि "ओसामा-बिन लादेन" जैसे प्रसिद्ध इंजीनियर विश्व के सबसे खतरनाक आतंकी बने।

शिक्षा मे मूल्यों के अभाव के कारण पुरुषों मे महिलाओं के प्रति नकारात्मक मानसिकता को बढावा मिला है। जिसके कारण महिलाओ के प्रति असहिष्णुता बढी। इसी कारण के दिल्ली जैसी शिक्षित सिटी मे 'निर्भया कांड' जैसी घटनाएँ दिन-प्रति घटित हो रही है। नैतिकता एवं मूल्यों के अभाव मे शिक्षा के दौरान प्राप्त किये गये ज्ञान का उपयोग गलत दिशा मे किया जाता है जिसके कारण समाज मे एमएमएस के माध्यम से ब्लैक-मेलिंग जैसी घटनाएं बढ रही।

आज हम उच्चतरीय शिक्षा प्राप्त ज्ञान के भंडार को

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

बढ़ावा दे रहें। यही बढ़ता ज्ञान आज पर्यावरण - प्रकृति एवं जीव जंतुओं के लिए खतरा बन गया है। आज मनुष्य अपनी विकास की अँधी दौड़ मे अपने मानवीय मूल्यों को भूल गया जिसके कारण वह पर्यावरण और प्रकृति को नुकसान पहुंचाने के बावजूद भी शर्मिंदगी महसूस ना करके अपने, ~~अपने~~ आप को गौरान्वित महसूस करता है। जो मुख्यत, शिक्षा मे मूल्यों के अभाव के कारण है। इसी संदर्भ मे एक महान दार्शनिक ने कहा है

" मूल्य के बिना शिक्षा एक ऐसा खतरनाक हथियार साबित हो सकती है जो सम्पूर्ण मानवता, प्रकृति के लिए खतरा उत्पन्न कर सकता है। "

शिक्षा मे तकनीकी को बढाना देखकर आज मानव ने परमाणु हथियार जैसे खतरनाक

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

अस्त्रो का निर्माण किया जो मानवीय सभ्यता के लिए विनाशक साबित हो सकता है।

आज विश्व मे आतंकवाद, साइबर अपराध जैसी घटनाऐं बढ रही है जिसका प्रमुख कारण शिक्षित युवा इनमे शामिल हो रहा हो रहा है। "राष्ट्रीय अन्वेषण एजेंसी के अनुसार 2014 मे लगभग 300 से अधिक भारतीय युवा आतंकी संगठन आइएस मे सम्मिलित हुऐ जिनमे अधिकांश उच्च तकनीकी एवं व्यवसायिक शिक्षा प्राप्त विद्यार्थी थे।

यह स्थिति शिक्षा का मूल्यहीन होने के कारण है। इस शिक्षा के माध्यम से ये युवा ऐसी-ऐसी तकनीक सीख चुके है कि आज ये खतरनाक हथियार बनाने, आतंकी घटना के लिए योजना बनाने तथा सूचना प्रौद्योगिकी के माध्यम से राष्ट्रो की सरकारी

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

वेबसाइटों को हैकिंग ~~करने~~ करने मे विशेषज्ञ है। जिसके कारण इन आतंकवादियों का खतरा मानवता के लिए ज्यादा बढ़ गया है।

शिक्षा मे मूल्यों एवं नैतिकता के अभाव के कारण आज सॉफ्टवेयर इंजीनियर जनहित मे कार्य करने के स्थान पर जनविरोधी कार्य कर रहे है। वे आज साइबर अपराध को बढावा देकर लोगो की सामाजिक-आर्थिक-सांस्कृतिक और मानवीय जीवन को क्षति पहुँचा रहे है।

आज शिक्षण संस्थानो मे व्यवसायिक शिक्षा को महत्त्व दिया जाता है। आज शिक्षा मे अनुशासन का अभाव है जिसके कारण आज समाज मे सदभावना, सहिष्णुता जैसी मानवीय प्रवृतियाँ कम देखने को मिल रही है। क्योंकि दया, करुणा, सहनशीलता जैसे मूल्यों को वरीयता

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

आज की शिक्षा मे नही दी जा रही है। आज मानव इतना क्रूर हो गया कि वह महिलाओ, प्रकृति के प्रति सहिष्णुता नही रख पाता है।

आज भारतीय शिक्षा मे मूल्यों के अभाव के कारण भारत मे राजनीति मे भी नैतिकता का अभाव पाया जाता है। इसी नैतिकता की कमी के कारण ये राजनेता जनहित मे कार्य ना करके अपने स्वार्थों की पूर्ति करते है। आज उच्च शिक्षा एवं प्रशासनिक अधिकारियो मे भी मूल्यो का अभाव पाया जाता है। जिसके कारण प्रशासन मे भ्रष्टाचार, समयबद्धता एवं सत्यनिष्ठा मे कमी, निष्पक्षता का अभाव ज्यादा पाया जाता जिसके कारण जनकल्याण कारी योजनाओ को आम गरीबो तक नही पहुँच रहा हो।

यदि शिक्षा मे नैतिकता एवं मूल्यों को शामिल किया जाता

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

मानव में स्त्रियों के प्रति सम्मान, पर्यावरण एवं प्रकृति के प्रति दया, समाज में जाति, धर्म जैसे तत्वों से ऊपर मानवीय तत्वों को बढावा दिया जाता। कोई भी इंजनीयर ओसामा बिन लादेन नही बनता भारत एवं अमेरिका पर इतने भयानक आतंकी आक्रमण नही होते। राष्ट्रीय अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर मानवीयता को प्रोत्साहन दिया जाता। इस प्रकार एक मानव अपने मानवीयता के कर्तव्य को निभाता।

इस प्रकार कह सकते है कि शिक्षा में यदि मूल्यों का अभाव होतो यह मानवीयता के लिए खतरा भी बन सकती हैं, क्योंकि शिक्षा पाकर मानव गलत तरीको की ऐसी तकनीक सीख लेता है जिसका कोई तोड नही होता और

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

और वह शिक्षा मनुष्य को एक चतुर शैतान बना देती। इसीलिए शिक्षा के शिक्षा के वास्तविक उद्देश्य को शामिल किया जाए। जिससे शिक्षा का वास्तविक महत्त्व बढ़ सके। शिक्षा से ही राष्ट्र का निर्माण होता है। और इसमें मूल्यों का समावेश किया जाना चाहिए। ~~आदद~~ इसी स्थिति कों को ध्यान में रखकर भारतीय नई शिक्षा नीति 2019 के ~~इस~~ ड्रॉफ्ट में शिक्षण संस्थानों में नैतिकता एवं मूल्यों का भी समावेश किया गया है। ऐसा पाठ्यक्रम तैयार किया गया है। इसी संदर्भ में किसी ने सच कहा –

" शिक्षा रूपी रथ में मूल्य, और नैतिकता दो ऐसे पहिये हैं जो शिक्षा को उसके सही गंतव्य तक ले जा सकते हैं"।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation